मेहनतकशों का पैग़ाम मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha365@gmail.com
www.mazdoormorcha.com

Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2020-22 /R.N.I. No. 2022007062

सैकड़ों कांग्रेसियों ने मंहगाई के खिलाफ धरना देकर पुतला फूंका 2
शाही फरमान: झंडा नहीं तो राशन नहीं 4
हर घर तिरंगा : कहीं राष्ट्रध्वज के भगवाकरण का अभियान तो नहीं ? 5
आजादी का अमृत महोत्सव में कहाँ है खेतिहर मज़दूर 6
नगर निगम ने सील की बीसियों इमारतें, पर कितने दिन के लिये ? 8

वर्ष 36 | अंक 40 | फरीदाबाद | 14-20 अगस्त 2022 | फोन-8851091460 | ₹ 5.00

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज का केन्द्रीय मंत्री ने किया दौरा

रामेश्वर तेली के आने से सुपर स्पेशलिटी को लगेंगे पंख

फ़रीदाबाद (म.मो.) मंगलवार दिनांक 9 अगस्त को केन्द्रीय श्रम तथा पेट्रोलियम राज्यमंत्री रामेश्वर तेली ने एनएच तीन स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा किया। करीब पांच घंटे संस्थान में रह कर हर चीज़ को बारीकी से देखा व समझा। सर्वप्रथम फेकल्टी की ओर से डीन डॉ. असीम दास तथा डिप्टी डीन डॉ. अनिल कुमार पांडे ने प्रेजनटेशन देते हुए सन् 2009, यानी जब से संस्थान की आधारशिला रखी गई तब से आज तक का इतिहास प्रस्तुत किया।

करीब ढाई घंटे चली इस बैठक में मंत्री महोदय को स्लाइडों द्वारा दिखाया गया कि किस तरह से एकेडमिक व रिसर्च के साथ-साथ मेडिकल कॉलेज अपने मरीजों को बेहतरीन चिकित्सा सेवायें उपलब्ध करा रहा है। '**मज़दूर मोर्चा**' पहले भी कई बार प्रकाशित कर चुका है कि हरियाणा के तमाम मेडिकल कॉलेजों के मुकाबले यहां के परीक्षा परिणाम सबसे बेहतरीन होते हैं। रिसर्च के क्षेत्र में भी यहां के प्रोफेसरों के सर्वाधिक शोध पत्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। छोटे से जीवन काल में यहां स्नातकोत्तर (पीजी) यानी एमबीबीएस के बाद की पढ़ाई शुरू करा दी गई है। बीते वर्ष जहां 19 ब्रांचों में यह पढ़ाई शुरू की गई थी, वहीं इस साल 22 ब्रांचों में इसे शुरू किया जा रहा है।

डॉ. परवीन गुलयानी, डॉ. अंशु छाबड़ा, मंत्री रामेश्वर तेली, विनय कुमार वर्मा (विधायक, उप्र) डॉ. भागीरथ चौधरी, डीन डॉ. असीम दास और वीरेन्द्र दहिया (सहायक निदेशक)

फेकल्टी की ओर से मंत्री महोदय को बताया गया कि दो वर्ष के लिये यह अस्पताल सरकार द्वारा कोविड मरीजों के लिये समर्पित कर दिया गया था। इसके बदले अस्पताल को इनाम तो क्या मिलना था, दंड स्वरूप पीजी की आधी सीटें काट दी गईं। इस बाबत उनसे अनुरोध किया गया कि वे केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से सम्पर्क करके उनकी काटी गई सीटें उन्हें वापस दिलाएं। इससे न केवल यहां के मरीजों का भला होगा बल्कि विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

संस्थान एक के बाद एक सुपर स्पेशलिटी सेवायें पूरी कामयाबी के साथ बढाता जा रहा है। इसके बावजूद यहां आवश्यक कर्मचारियों की संख्या नहीं बढाई जा रही। अव्वल तो यहां स्वीकृत पद ही आवश्यकता से बहुत कम हैं और कोढ़ में खाज की तरह इनमें से भी अधिकांश पद रिक्त पड़े हैं। जाहिर है इसके चलते मरीजों को दी जाने वाली सेवाओं का प्रभावित होना तय है। मंत्री का ध्यान, संस्थान में चल रही ठेकेदारी प्रथा की ओर भी दिलाया गया। उन्हें समझाया गया कि इस प्रथा के तहत काम करने वाले कर्मचारियों का न तो संस्थान पर भरोसा रहता है और न ही संस्थान का उन पर।

चाय बगान ट्रेड यूनियन से निकले मंत्री महोदय ने सुपर स्पेशलिटी तथा कुछ अन्य वार्डों का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मरीज़ों से काफ़ी देर तक खुल कर बातचीत करके, मिल रहे इलाज के बारे में जानकारी प्राप्त की। लगभग सभी मरीज़ संतुष्ट पाये गये। इसी दौरान उन्होंने कर्मचारियों खास कर सफ़ाईकर्मियों से भी बातचीत करके उनकी स्थिति को समझा। सभी कर्मचारियों ने ठेकेदारी प्रथा के प्रति असंतोष प्रकट किया।

संस्थान की विस्तार आवश्यकता को भी समझा

फिलहाल जो महत्वपूर्ण सुपर स्पेशलिटी का काम हो रहा है वह सेकेंडरी चिकित्सा के लिये निर्धारित खंड में हो रहा है। यानी

शेष पेज दो पर

ईएसआई मेडिकल कॉलेज द्वारा ततारपुर में ग्रामीण ट्रेनिंग सेंटर बनाने की तैयारी

फ़रीदाबाद (म.मो.) किसी भी मेडिकल कॉलेज के लिये ग्रामीणक्षेत्र में अपना एक ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करना अनिवार्य होता है। इसी नियम के अनुसार एम्स दिल्ली ने 65 वर्ष पूर्व बल्लबगढ़ में अपना अस्पताल कायम किया था। इसके बाद इन्हीं के द्वारा दयालपुर व छांयसा में ग्रामीण ट्रेनिंग सेंटर चलाये जा रहे हैं। फ़िलहाल एनएच तीन स्थित ईएसआई मेडिकल कॉलेज ने पाली गांव में एक फ़र्जी सा सेंटर खोला हुआ है जिसका क्षेत्रवासियों को कोई विशेष लाभ नहीं है।

किसी भी ग्रमीण सेंटर में दो महीने के लिये प्रशिक्षु (इंटर्न)डॉक्टरों को लगाया जाता है। वे डॉक्टर जिन्होंने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर ली हो तथा मरीजों को देखने लायक हो गये हों उन्हें प्रशिक्षु डॉक्टर कहा जाता है। मेडिकल कॉलेज से निकलने वाले कुल प्रशिक्षु डॉक्टरों का 20 प्रतिशत एक बार में, दो माह के लिये ऐसे सेंटरों पर भेजे जाते हैं। ईएसआई के इस मेडिकल कॉलेज से अभी तक ऐसे 100 प्रशिक्षु डॉक्टर प्रति वर्ष निकल रहे हैं जो शीघ्र ही 150 हो जायेंगे। इस हिसाब से 30 प्रशिक्षु डॉक्टर सदैव ही इस तरह के सेंटर में रहा करेंगे।

इन प्रशिक्षु डॉक्टरों के साथ कम से कम दो प्रोफेसर (डॉक्टर) तथा आवश्यकता पड़ने पर अन्य प्रोफेसर भी वहां विजिट करेंगे। इन डॉक्टरों के लिये वहां चौबीसों घंटे रहना अनिवार्य होगा इसलिये वहां पर कम से कम 32 कमरों का एक हॉस्टल बनाया जाता है। डॉक्टर सातों दिन चौबीसों घंटे मरीजों को उपलब्ध होते हैं। ये डॉक्टर ईएसआई कवर्ड मरीजों के अलावा अन्य मरीजों को भी देखते हैं। गर्भवती महिलाओं के लिये शुरू से लेकर प्रसव तक पूरी चिकित्सा सेवायें निशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। आवश्यकता पड़ने पर मेडिकल कॉलेज से या तो विशेषज्ञ डॉक्टर को बुलाया जाता है या फिर मरीज को ईएसआई की एम्बुलेंस द्वारा मेडिकल कॉलेज भेजा जाता है।

विदित है कि ततारपुर (पृथला) क्षेत्रों में 20 हजार से अधिक तो केवल ईएसआई कवर्ड मज़दूर रहते हैं। इनके लिये फिलहाल पृथला में एक टूटी-फूटी सी डिस्पेंसरी है जो लगभग न होने के बराबर है क्योंकि वहां न तो पर्याप्त स्टाफ है न ही आवश्यक साजो सामान। किराये की जर्जर बिल्डिंग में बिजली की व्यवस्था भी केवल नाम मात्र की ही है।

क्षेत्र के इन 20 हजार बीमाकृत परिवारों को सही मायनों में डिस्पेंसरी की सेवायें देने के लिये इसी सेंटर के साथ डिस्पेंसरी तथा लोकल ऑफिस भी बनाये जाने का सुझाव दिया गया है। इसके लिये गांव ततारपुर की पंचायत करीब तीन एकड़ का भूखंड जो राष्ट्रीय राजमार्ग से मात्र 1300 मीटर दूर है, बहुत ही मामूली कीमत पर देने को तैयार हो गयी है।

मेडिकल कॉलेज अधिकारियों ने मौका मुआयना करके विस्तृत रिपोर्ट के साथ प्रस्ताव मुख्यालय को भेज दिया है। जैसा कि मुख्यालय में बैठा जीडीएमओ गिरोह की आदत हर अच्छे काम में अड़चनें खड़ी करने की है, वे इसमें भी अवश्य ही अपने फितरत का प्रदर्शन करेंगे। लेकिन महानिदेशक मुखमीत सिंह भाटिया से भरपूर आशायें हैं कि वे इस गिरोह को दरकिनार करते हुए उक्त सेंटर को शुरू कराने में कोई कोर-कसर न छोड़ेंगे। वैसे भी डबल इंजन की सरकार के चलते इस प्रोजेक्ट में अधिक प्रशासनिक रुकावट नहीं आनी चाहिये।

इस सेंटर के द्वारा स्वास्थ्य सम्बन्धित तमाम राष्ट्रीय कार्यक्रमों, जैसे टीवी, मलेरिया, डेंगू इत्यादि की रोक-थाम के लिये टीकाकरण करने के अभियान चलाया जायेगा। कम्यूनिटी मेडिसन के प्राफेसरों द्वारा पूरे क्षेत्र में होने वाली बीमारियों व उनके कारणों का विस्तृत अध्ययन करके भविष्य की योजनायें तैयार की जायेंगी।

बिहार में राजनीतिक गिद्धों पर भारी पड़ा एक राजनीतिक गिरगिट!

9 अगस्त, भारत छोड़ो की बरसी के दिन अमृत काल वाले चाणक्य को पैसे से पाटली पुत्र की सत्ता खरीदने का ख्वाब छोड़ना पड़ा। नीतीश कुमार ने एक बार फिर तेजस्वी यादव के साथ सरकार बनाई और इस तरह मोदी-शाह के बिहार में राज करने के मंसूबों को धता बताई।